वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 120 शनिवार 24 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जेकेके में फोटोग्राफी के महाकुंभ का आगाज, लोग हुए रोमांचित

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया उद्घाटन, 600 से अधिक तस्वीरें हो रही प्रदर्शित

जयपुर. कासं

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। खास नजरिए से कहानियों को कैमरे में कैद किया जाता है। तस्वीर में बंद इन कहानियों को समझने के लिए चाहिए होती है पारखी नजर। जवाहर कला केन्द्र और राजस्थान फोटो फेस्टिवल की सहभागिता में आयोजित तीसरी इंटरनेशनल नजर फोटो एग्जीबिशन ने कला प्रेमियों को फोटोग्राफी की दुनिया से रूबरू करवाते हुए विशिष्ट नजरिया दिया है। शुक्रवार को एग्जीबिशन की शुरूआत हुई। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने एग्जीबिशन का उद्घाटन किया। पहले दिन बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स ने प्रदर्शनी में हिस्सा लिया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि यह फोटो प्रदर्शनी वास्तव में ऐतिहासिक है। एक साथ 650 फोटो का ऐतिहासिक और अदभुत कलेक्शन किया गया है। इस फोटो प्रदर्शनी में प्रदेश ही नहीं देश-विदेश के अलग-अलग क्षेत्र के इतिहास, जीवन शैली और प्राकृतिक सौंदर्य को दर्शाया गया है। फोटो प्रदर्शनी के लिए उन्होंने आयोजकों को बधाई दी है। फोटोग्राफी के महाकुंभ में 300 से अधिक फोटोग्राफर्स की 600 से अधिक तस्वीरें डिस्प्ले की गयी है। इसमें राजस्थान से बीकानेर, अलवर, जोधपुर, अजमेर, सीकर, उदयपुर, और लखनऊ, सतना, इंदौर, हिमाचल, मुंबई, पंजाब, दिल्ली,झारखंड, उड़ीसा से ओर इंटरनेशनल एंट्री से इंग्लैंड, स्पेन, यूनाइटेड किंगडम, आसट्रिया, दुबई, सिंगापुर, पेरिस,न्यूयॉर्क, साउथ अफ्रीका से भी फोटोग्राफर भाग ले रहे हैं। प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स के साथ-साथ ब्यूरोक्रेट्स की खींची गयी तस्वीरें भी यहां लगाई गई है। इतिहास की झांकी दिखाने वाले 1890 के दौर के हैरिटेज कैमरे भी यहां प्रदर्शित किए गए हैं जिन्हें देखकर सभी रोमांचित हो उठे। इस मौके पर सांसद मंजू शर्मा भी मौजूद थी। एग्जीबिशन की संरक्षक रेणुका कुमावत ने बताया इसमें भारत की संस्कृति के साथ खूबसूरत तस्वीरें देखने को मिलेगी, यह ऐसा मंच है जहां सभी फोटोग्राफर्स व फोटोजर्नलिस्ट को एक साथ लाया गया है, जिसमें इनकी ओर से खिंची गई तस्वीरों को लोग देख सकेंगे।

सरकारी कर्मचारी अब आरएसएस में शामिल हो सकेंगे

52 साल पुरानी रोक हटाई; छुट्टी लेकर भी संघ के कार्यक्रम में शामिल हो सकेंगे

जयपुर. कासं

केंद्र के बाद अब राजस्थान सरकार ने भी सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी रोक हटा दी है। सरकारी कर्मचारी और अफसर अब आरएसएस की हर गतिविधि में शामिल हो सकेंगे। कार्मिक विभाग ने सरकारी कर्मचारियों के फ्तर की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी 52 साल पुरानी रोक को हटाने का सर्कुलर जारी कर दिया है। कार्मिक विभाग के सर्कुलर के अनुसार 1972 और 1981 के निर्देशों की समीक्षा करने के बाद आरएसएस का उल्लेख हटाने का फैसला किया गया है। जिन संगठनों की गतिविधियों में शामिल होने से पहले रोक थी, उस सूची से आरएसएस का नाम हटा लिया गया है। इस रोक के हटने के बाद अब सरकारी कर्मचारी आरएसएस की शाखाओं में जाने से लेकर उसके सहयोगी संगठनों की हर गतिविधि में शामिल हो सकेंगे। पहले आरएसएस के कार्यक्रमों में जाने पर रोक थी। ऐसे में आधिकारिक रूप से छुट्टी लेकर नहीं जा सकते थे। अब सरकारी कर्मचारी आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने के लिए छुट्टी लेकर भी जा सकते हैं।

केंद्र ने 1966 के फैसले को 58 साल बाद बदला

30 नवंबर 1966 को देश में सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया था। 1972 में जब सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस में शामिल होने पर पाबंदी लगी, तब राज्य में कांग्रेस की सरकार थी और बरकतुल्लाह खान मुख्यमंत्री थे। इस पाबंदी को 53 साल हो गए, इस अवधि में राज्य में चार बार बीजेपी और एक बार जनता पार्टी की सरकार बनी, लेकिन सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी रोक नहीं हटी।

राजस्थान जैन युवा महासभा की जिला कमेटी का शपथ ग्रहण एवं झाँकी सम्मान समारोह आज शनिवार को

मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में हुआ पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर की नवगठित जयपुर जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं सुगन्ध दशमी के मौके पर दिगम्बर जैन मंदिरों में गत वर्ष सजाई गई झांकियों का सम्मान समारोह शनिवार को आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर गणमान्य श्रेष्ठीजनों सहित युवा एवं महिला संगठनों के सदस्य बडी संख्या में शामिल होंगे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर चातुर्मास कर रहे मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में शनिवार, 24 अगस्त को दोपहर 2 बजे से आयोजित होने वाले इस शपथ ग्रहण एवं झाँकी सम्मान समारोह के बहुरंगीय बैनर पोस्टर का विमोचन शुक्रवार 23 अगस्त को मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में हुआ। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, समारोह के मुख्य समन्वयक राकेश गोधा, जिला कमेटी के अध्यक्ष संजय पाण्डया, कार्याध्यक्ष राजेश बड़जात्या, महामंत्री सुभाष बज, मीरामार्ग दिगम्बर जैन मंदिर के मंत्री एवं युवा महासभा के मानसरोवर सम्भाग के महामंत्री राजेन्द्र सेठी सहित बडी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि शनिवार को दोपहर 2 बजे से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर आयोजित होने वाले शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि समाजश्रेष्ठी नन्द किशोर प्रमोद सुनील पहाड़िया होगें ।समारोह की अध्यक्षता दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सुधान्शु कासलीवाल करेगें। समारोह में दीप प्रज्जवलन समाजश्रेष्ठी प्रदीप चूडीवाल निखार फैशन्स करेगें। समाजश्रेष्ठी विवेक काला, सुरेश सबलावत, अशोक चांदवाड, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन दौसा, जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फेडरेशन मुम्बई के पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन समारोह गौरव होंगे। मुख्य समन्वयक राकेश गोधा ने बताया कि इस मौके पर चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद पक्षालन, शास्त्र भेंट के बाद नवनिर्वाचित जिला कमेटी को अतिथियों द्वारा कर्तव्य पथ पर चलने की शपथ दिलाई जाएगी। तत्पश्चात मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें ।समारोह के अन्त में सुगंध दशमी पर्व 2023 के मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में सजाई गई झांकियों को जोनवार सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद तथा मीरामार्ग मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी का सम्मान भी किया जाएगा। समारोह के लिए राकेश गोधा को मुख्य समन्वयक, रवि प्रकाश जैन, मनीष बैद एवं सी एस जैन को मुख्य संयोजक एवं धीरज पाटनी, जितेश लुहाडिया, नवराज जैन को संयोजक बनाया गया है।

चेतन तीर्थ यात्रा पोस्टर का विमोचन हुआ उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी महाराज के सान्निध्य में

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग द्वारा आयोजित चेतन तीर्थ यात्रा पोस्टर का विमोचन गुरुवार को उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी महाराज के सान्निध्य मे सेक्टर 8 श्री शांति नाथ दिगंबर जैन मंदिर मे किया गया। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम मे जितेंद्र जैन, सतीश कासलीवाल स्नेहलता जैन अमित बाकलीवाल, रवि गोदिका, पुष्पा कासलीवाल, पवन जैन एवम समाज के वरिष्ठजन आदि मौजूद रहे। अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग के अध्यक्ष अशोक बिंदायका (जोला वाले) एवम पारस जैन बोहरा (दूदू वाले) ने बताया कि परिषद की और से एक सितंबर 2024 रविवार को को प्रातः 6.30 बजे चेतन तीर्थ यात्रा (मुनि आर्यिका दर्शन यात्रा) का आयोजन किया जायेगा एवम 28.09.2024 शनिवार को वरुण पथ जैन मंदिर से पदमपुरा पदयात्रा का आयोजन भी किया जायेगा ।

पुस्तक महानायक नरेंद्र मोदी जिसने बदल दी देश की तस्वीर का विमोचन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

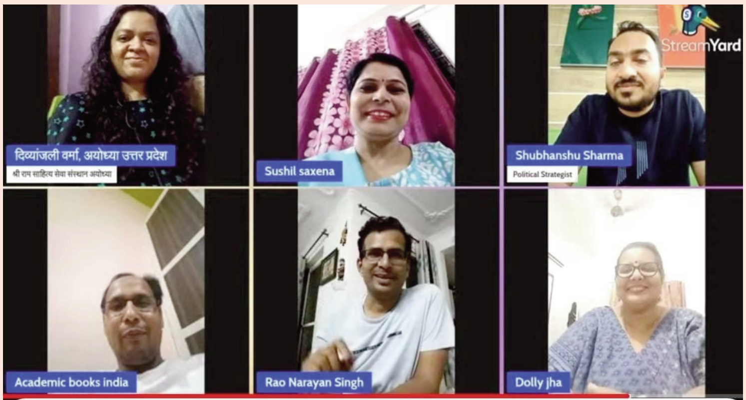

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम (पुस्तक महानायक नरेन्द्र मोदी)

सुशी सक्सेना. शाबाश इंडिया

इंदौर मध्यप्रदेश। श्रीराम सेवा साहित्य संस्थान के मंच पर पुस्तक महानायक जिसने बदल दी देश की तस्वीर का विमोचन कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में लेखिका सुशी सक्सेना और संस्थापिका दिव्यांजली वर्मा के साथ प्रकाशक अवधेश कुमार यादव, डौली झा, सुभांषु शर्मा और इंडियन आइरिस के संस्थापक नारायण सिंह राव 'सैलाब' मौजूद थे। कार्यक्रम में पुस्तक महानायक पर चर्चा की गई। महानायक पुस्तक लेखिका सुशी सक्सेना की नई पुस्तक है जो देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल पर आधारित है। कार्यक्रम में बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण योजनाएं और सुधार कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य देश के विकास और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। कुछ प्रमुख योजनाएं जैसे स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, मेक इन इंडिया योजना। इन योजनाओं के परिणामस्वरूप देश में कई सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं, जैसे स्वच्छता में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि, बैंकिंग सेवाओं का विस्तार, उद्योग और विनिर्माण में वृद्धि आदि। कुल मिलाकर प्रधानमंत्री की योजनाएं और सुधार देश के विकास और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं।अंत में दिव्यांजली वर्मा ने कार्यक्रम का समापन करते हुए सभी उपस्थित महानुभावों को विदाई दी।

सच्चे विचारों से सुकून मिलता है, धर्म हमेशा साथ देता है: मुनि श्री विनय सागर जी

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। श्री 1008 महावीर कीर्तिस्तंभ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे 35 दिवसीय 35 गुरु परिवार के 35 मंडलीय णमोकर जिनस्तुति विधान के 31 वें दिन पूज्य गुरुदेव जिन मंदिर जीर्णोद्वारक संत प्रशांत मूर्ति श्रमण मुनि श्री 108 विनय सागर जी गुरुदेव के सानिध्य में चल रहा है जिसमे प्रतिदिन सुबह शाम सकेड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं ।जिसमे प्रतिदिन प्रातः काल की बेला में श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा नित्य पूजन किया जाता है तत्पच्यात विधान प्रारंभ होता है। संगीतकार के मधुर संगीत में श्रावक श्राविकाएं भक्ति करते है विधान के अंत में मुनि श्री ने प्रवचन मैं कहा कि महामुनिराज ने कहा कि आज के व्यक्ति को सुकून की जरूरत है,सबकुछ हैं लेकिन सुकून नही है। सच्चे विचारो से सुकून मिलता है ।धर्म हमेशा साथ देता है ।संपूर्ण ताकत भक्त की भक्ति में होती है जो श्रद्धा और समर्पण से अपने जीवन को सार्थक कर लेती है। कभी शिकायत नही करना की गुरु का आशीर्वाद नही मिला शिकायत ये रखना की हम आशीर्वाद नही ले पाए ।उपादान के बिना निमित्त जीरो है ।उपादान के अभाव में अभाव ही जीवन में रहता है ।उपादान जाग्रत होने पर समस्याएं घुटने टेक देती हैं जो व्यक्ति सदमार्ग में आगे बढ़ने के कदम न उठाए वह अपराधी हैं। पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में 08 सितंबर से श्री 1008 महावीर कीर्तिस्तंभ मंदिर में श्रावक संस्कार शिविर लगाया जाएगा।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम हैदराबाद।

स्कूल छूट जाते हैं पर,, जीवन की अन्तिम श्वास तक..
इम्तेहान कहाँ खत्म हो पाते हैं..!

परीक्षाएं मानवीय जीवन में जन्म से लेकर, अन्तिम श्वास तक कहाँ खत्म हो पाती है। बड़े बड़े महापुरुषों को भी समय, समाज और कर्म ने इम्तेहान लेने से नहीं बख्शा, फिर हम आप कौन सी खेत की मूली है-? चूंकि परीक्षाओं के बिना काम भी नहीं चलता,, परीक्षा के दो मार्ग है - एक सन्यास का मार्ग और दूसरा संसार का मार्ग। दोनों मार्ग कठिन है और परीक्षा देना भी उससे कठिन काम है। सन्यास के मार्ग की परीक्षा की सफलता,, भगवान बनाती है और संसार के मार्ग की परीक्षा की सफलता आदमी को इन्सान,, और इन्सान से इन्सानियत का पाठ पढ़ना सिखा देती है। इसलिए परीक्षा देने से घबराओ मत!

सभी परीक्षाओं में सोचना चाहिए कि यह हमारी विकास यात्रा में, एक मील का पत्थर है। इसलिए बिना टेन्शन, तनाव से मुक्त होकर आनंद प्रेम उत्साह के साथ परीक्षा देनी चाहिए।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

एण्डोक्राइन सोसायटी ऑफ राजस्थान (राज एसिकॉन) की द्वितीय राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

एण्डोक्राइन सोसायटी ऑफ राजस्थान की द्वितीय राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन 24-25 अगस्त को राजस्थान इंटरनेशनल सेन्टर, झालाना डूँगरी, जयपुर में किया जायेगा । इस कॉन्फ्रेंस में डायबिटीज, थायरॉइड एवं अन्य हॉर्मोन रोगों के इलाज हेतु अविष्कार की गयी नई तकनीक के सम्बन्ध में देश ऋ विदेश के करीब 600 डॉक्टर विचार ऋ विमर्श करेंगे ।इस कॉन्फ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार में शहरी विकास एवं आवास मंत्री झाबर सिंह खर्रा शामिल होंगे ।कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ प्रकाश केशवानी ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में हॉर्मोन से सम्बन्धित रोगों के बारें में लोगों में जो भ्रान्तियाँ हैं उनके बचाव एवं उपचार के सम्बन्ध में गहन चर्चा की जायेगी । कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री, सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविधालय के सह आचार्य डॉ संजय सारण ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में ढछडऊ मोटापा एवं अन्य महिला हॉर्मोन रोगों के इलाज एवं ग्रोथ हॉर्मोन एवं डायबिटीज के उपचार हेतु इंसुलिन पम्प के उपयोग के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया जायेगा ।डॉ सारण नें बताया कि भारत में जिस तेजी से डायबिटीज, थायरॉइड, मोटापा एवं अन्य हॉर्मोन रोगों के रोगियों की संख्या बढ़ी है उसका मुख्य कारण असंतुलित आहार, अस्वस्थ जीवन शैली, फास्ट फूड का अधिक उपयोग, नींद कम लेना, एक्सरसाइज एवं प्राणायाम का ना करना, तनाव का होना बताया साथ ही इनके बचाव के सम्बन्ध में गहन विचार-विमर्श किया जायेगा। कॉन्फ्रेंस में महिला एवं बच्चों में होनें वाले हॉर्मोन रोगों के कारण एवं इलाज एवं हॉर्मोन से सम्बन्धित रोगों की रोकथाम हेतु आमजन को जागरूक करनें के तरीकों पर अलग से सत्र आयोजित किया जायेगा। ज्ञातव्य है कि डॉ सारण वर्तमान में 11 वर्ष के कम आयु के 80 से अधिक बच्चों को विभिन्न कम्पनियों के ट्रायल के अन्तर्गत निःशुल्क ग्रोथ हॉर्मोन उपलब्ध करवा रहे हैं । कॉन्फ्रेंस में शामिल होनें वाले रेजीडेन्ट डॉक्टरों के ज्ञानवर्धन हेतु क्विज का आयोजन किया जायेगा।

धर्म, पुण्य, स्वर्ग और मोक्ष की चाह ही मोक्ष की राह है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज ने प्रवचन धर्मसभा मे श्रध्दांलुओ संबोधित करते हुए कहा कि धर्म, पुण्य, स्वर्ग और मोक्ष इन चार चीजों के भीतर अनुराग धर्म की इच्छा, एक प्यास जागृत होती है। धर्म यानी स्वभाव में रहना। पुण्य यानी सुकृत्य करना। स्वर्ग यानी जहां पर निरंतर सुख सुविधाओं का उपलब्ध होना और मोक्ष यानी जहां अनंत सुख हो। साधना का लक्ष्य आत्मशुद्धि, कर्मनिर्जरा है। जिस जीव में धर्म, पुण्य, स्वर्ग, मोक्ष की चाह है, वही स्वर्ग में जाता है। धर्म पुण्य तक और पुण्य स्वर्ग तक पहुंचा देता है। परमात्मा वषीदान करके दीक्षा लेने के बाद जड़ और चेतन के भेदों पर आगे बढ़े, धर्म और साधना के मार्ग पर आगे बढ़े। उन्होंने कहा धर्म सिर्फ एक क्रिया नहीं है, धर्म यानी जो मेरे लिए, इस आत्मा की शुद्धि के लिए महत्वपूर्ण आवश्यकता है। साधना खुद की सफाई है, आत्मा की पवित्रता, निर्मलता है। ऐसे धर्म से मोक्ष की प्राप्ति होती है। लेकिन यदि राग का अंश जहां रह गया, तो स्वर्ग, देवलोक में उत्पन्न होता है। हमारे जीव के परिणाम गाढ़े होने चाहिए, भावों में गहराई आनी चाहिए। वे भाव ही हमें आगे बढ़ाने वाले हैं, अनेक प्रकार के विकास के द्वारा उद्घाटित करने वाले हैं। वह गर्भस्थ जीव की भावना माता द्वारा की हुई क्रियाएं उसके पास पहुंचती है। वैसे ही जब वह जीव अधर्म की आकांक्षा करता है और अधर्म के प्रति तीव्रता के भाव आ जाए तो वह पकड़ जीवन में वहीं समाप्त हो जाती है ।महासती दिव्ययशश्री जी ने कहा कि सत्य बोलने से पुण्य का उपार्जन होता है और झूठ बोलने से पाप का। झूठ कदापि नहीं बोलना चाहिए। जो झूठ नहीं बोलने का संकल्प कर लेता है, तो उसके लिए नरक, तीर्यंच गति के द्वार बंद हो जाते हैं। एक झूठ के पीछे सौ झूठ बोलने पडते है। उसके लिए असीम पापों का उपार्जन होता है। एक झूठ के कारण क्रोध, मान, माया, लोभ उत्पन्न होता है। मृषावाद एक छोटा-सा नियम है, जिससे भविष्य उज्जवल होगा, हमारी आत्मरक्षा होगी। उन्होंने कहा बारह व्रत धारण करने से पापों का उपार्जन नहीं होगा। आत्मा की सुरक्षा करनी है तो छोटे-छोटे नियम जरुर लेना चाहिए। यदि ऐसा नहीं किया तो धोखा खाना पड़ेगा, कष्ट सहन करना पड़ेगा। हमारे पास शक्ति, समझ हैं। बारह व्रत धारण करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। झूठ नहीं बोलना तप है, ज्ञान को हासिल करना सबसे बड़ा सुख है। झूठ राग और मोह के कारण निकलता है। राग और मोह का त्याग करना चाहिए। सच बोलने से थोड़ी सजा हो सकती है लेकिन सच बोलने का भविष्य

वेद ज्ञान

हमें मुक्ति नहीं चाहिए

मुक्ति के संबंध में लोगों के मन में बहुत अधिक भ्रांति समाई है। भक्ति का विषय आते ही धार्मिक विषय की चर्चा करने वाले लोगों का कथन होता है कि अरे हमें मुक्ति से क्या काम। मुक्ति हो जाने से तो हम परमात्मा में ऐसे विलीन हो जाएंगे जैसे पानी की बूंद समुद्र के अथाह जल में विलीन होकर अपना अस्तित्व समाप्त कर देती है। फिर उसका कुछ अता-पता नहीं चलता। इसलिए हमें मुक्ति नहीं चाहिए। हम तो बार-बार इस संसार में आना चाहते हैं। संसार में आकर हमें तो सिर्फ भगवान की भक्ति करने से ही मतलब है। इसी प्रकार की धारणा रखने वाले सत्य को नहीं जानते। परमात्मा की भक्ति करने के लिए मुक्ति को जानना व समझना नितांत आवश्यक है। मुक्ति को समझ लेने के बाद ही सच्ची भक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ होती है। इसे इस प्रकार समझना होगा जैसे कोई आपके दोनों हाथों को रस्सी से बांध दे और फिर आपके सामने स्वादिष्ट भोजन की थाली लाकर आपसे कहे कि लो थाली में रखा भोजन कर लो तो आप तुरंत कह उठोगे कि भाई पहले हमारे दोनों हाथों को तो खोल दो, तभी थाली में रखा भोजन किया जा सकेगा अर्थात बंधन में अभीष्ट की प्राप्ति करना संभव नहीं है। हम यहां लोगों को बंदीगृह में जाते हुए देखते हैं। बंदीगृह में गया हुआ व्यक्ति बेचैन होकर छटपटाने लगता है। वह अपने निकटवर्ती लोगों से आग्रह करने लगता है कि हमें इस बंदीगृह से शीघ्र छुटकारा दिलवाओ। बंदीगृह से छूटने के बाद ही वह चैन की सांस ले पाता है और अपने नियत कार्यों को कर पाता है। ठीक इसी प्रकार आप इस काल के बंदीगृह में आकर अदृश्य बंधन में बंध गए हैं। जगत में फंसकर यहां भांति-भांति की यातनाएं व कष्टों को सहन करने के लिए विवश हो रहे हो। इसलिए प्रथम हमें इस काल के जाल से मुक्ति प्राप्त करना परम आवश्यक है। मुक्ति के विषय को भलीभांति जान लेने के बाद ही भक्ति करना प्रारंभ किया जा सकता है। भक्ति और मुक्ति दोनों की प्राप्ति के लिए हमें ऐसे संत की खोज करनी पड़ेगी, जो पूर्णरूप से तत्वदर्शी हो। उन तत्वदर्शी संत के चरणों में बैठकर उनसे सद्उपदेश सुनना होगा। उन्हें अपना गुरु बनाकर उनसे विधिवत दीक्षा लेकर उनके ज्ञान के मर्म को समझना होगा। उनके बताए मार्ग पर चलकर फिर परमात्मा की सद्भक्ति प्रारंभ करनी होगी।

संपादकीय

समस्याओं का अंधेरा...

कोलकाता में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या की घटना ने सभी संवेदनशील लोगों के भीतर दुख और आक्रोश भर दिया है। यह बेवजह नहीं है कि बड़ी तादाद में लोगों ने इस मामले में न्याय सुनिश्चित करने से लेकर महिलाओं के खिलाफ अपराध पर काबू पाने के लिए एक कारगर व्यवस्था बनाने के लिए आवाज उठाई है। इसी के तहत कई राज्यों में सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों ने हड़ताल कर दी, जिससे वहां

कामकाज बाधित हुआ। चिकित्सकों के दुख और गुस्से से किसी को भी असहमति नहीं हो सकती और इस मुद्दे पर उनकी मांग वाजिब है। विडंबना यह है कि हड़ताल से उन मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जो मजबूरी में इलाज कराने वहां पहुंचते हैं। कोलकाता की घटना पर दुख के समांतर पिछले कुछ दिनों से यह सवाल भी चिंता की वजह बन रहा था कि चिकित्सकों की हड़ताल की वजह से जो समस्या खड़ी हो रही है, उसका समाधान क्या हो। शायद यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर सुनवाई के दौरान चिकित्सकों की सुरक्षा और संरक्षण को सर्वोच्च राष्ट्रीय चिंता का विषय बताते हुए हड़ताल वापस लेने और काम पर लौटने की अपील की और कहा कि चिकित्सकों के काम से दूर रहने से समाज के उन वर्गों पर असर पड़ता है, जिन्हें चिकित्सीय देखभाल की जरूरत है। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि न्याय और चिकित्सा को रोका नहीं जा सकता। हड़ताल की वजह से खासतौर पर गरीब तबकों से आने वाले मरीजों को हो रही दिक्कतों का अंदाजा भर लगाया जा सकता है। ऐसे तमाम लोग होते हैं, जो किसी बीमारी के इलाज के क्रम में अस्पतालों में दो-दो वर्ष पहले समय लेते हैं और बहुत मुश्किल से उन्हें किसी चिकित्सक से इलाज या आपरेशन कराने का मौका मिल पाता है। ऐसे में अगर सिर्फ हड़ताल की वजह से उन्हें यह कहा जाए कि आपका इलाज नहीं हो सकता, तो इसे कैसे देखा जाएगा। दूसरी ओर, सरकारी अस्पतालों में हड़ताल की वजह से अगर कोई मरीज मजबूरी में निजी अस्पतालों या क्लीनिकों में इलाज के लिए पहुंचता है तो वहां उसे आर्थिक खर्च की किस कसौटी को पूरा करना पड़ता है, यह छिपा नहीं है। निश्चित रूप से एक बेहद तकलीफदेह घटना पर चिकित्सकों का आंदोलित होना और प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है। इस आंदोलन को समाज के सभी संवेदनशील लोगों का समर्थन मिला है। मगर इसकी वजह से सरकारी अस्पतालों के कामकाज में जिस स्तर की मुश्किल पेश आई है, वह भी चिंताजनक है। यों सुप्रीम कोर्ट की अपील के बाद दिल्ली में एम्स और राममनोहर लोहिया अस्पताल के चिकित्सकों ने अपनी हड़ताल खत्म करने और ड्यूटी पर जाने की घोषणा कर दी, मगर कुछ राज्यों में अभी भी अस्पतालों की सेवाएं प्रभावित हैं। गौरतलब है कि चिकित्सकों की शिकायतों को सुनने के लिए एक समिति का गठन कर दिया गया है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बिखरते पड़ोसी

आज जब भारत अपने चारों ओर देखता होगा तो अपने आपको इस समूचे क्षेत्र में स्थिरता और आर्थिक विकास का इकलौता द्वीप पाता होगा। हमारे पड़ोस में हुए घटनाक्रमों ने क्षेत्रीय नीति में बड़ा शून्य उत्पन्न कर दिया है। अगर बांग्लादेश के परिप्रेक्ष्य में बात करें तो आप निश्चिंत हो सकते हैं कि नई दिल्ली इस समूचे घटनाक्रम से हैरान थी और उसने इस नतीजे की कतई उम्मीद नहीं की थी। किसी को दूर-दूर तक भनक नहीं थी कि शेख हसीना को अपना राजपाट छोड़कर भागना पड़ेगा। यह इतना अप्रत्याशित था कि भारत ने हसीना की सरकार गिरने के काफी समय बाद तक कोई बयान जारी नहीं किया। हसीना के नई दिल्ली पहुंचने के एक दिन बाद लोकसभा में बोलते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत ने उन्हें संयम बरतने की सलाह दी थी और आग्रह किया था कि बातचीत के जरिए स्थिति को शांत किया जाए, लेकिन प्रदर्शनकारियों के ढाका में एकत्र होने के बाद हसीना ने भारत आने की अनुमति मांगी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को बधाई संदेश भी भेजा और उनसे हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया। शेख हसीना 2009 में महिलाओं और युवाओं के उत्साही समर्थन के साथ सत्ता में आई थीं। लेकिन अपनी राजनीतिक पूंजी को बर्बाद करने में उन्हें 15 साल लगे। उनके नेतृत्व में बांग्लादेश ने 11 साल तक वास्तविक प्रति व्यक्ति आय में 5% से अधिक की आर्थिक वृद्धि की थी। बांग्लादेश चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा कपड़ा निर्यातक बन गया था। लेकिन अब लग रहा है कि इसका एक बड़ा हिस्सा जॉबलेस-ग्रोथ का था। 2022 के आंकड़ों के अनुसार, बांग्लादेश के 15 से 24 वर्ष के 30 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं। आर्थिक विकास पर सरकार के फोकस से सामाजिक विकास हुआ था, लेकिन इसके साथ ही देश में लोकतांत्रिक स्वतंत्रता भी धीरे-धीरे कम होती चली गई। जनवरी 2024 के चुनाव सबसे ज्यादा विवादास्पद थे और विपक्ष ने उनका बहिष्कार किया था। सिर्फ दो साल पहले ही, बांग्लादेश जैसी स्थिति के कारण शक्तिशाली राजपक्षे परिवार श्रीलंका से पलायन कर गया था। पड़ोसी म्यांमार में भी हालात स्थिर नहीं हैं और पाकिस्तान जैसे-तैसे अपना अस्तित्व कायम रखे हुए है। बांग्लादेश का घटनाक्रम भारत के लिए बहुत नकारात्मक साबित होगा। इसका एक कारण यह है कि नई दिल्ली ने अवामी लीग सरकार के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने का निर्णय लिया था, जबकि हमारे पश्चिमी मित्रों ने इसके विरुद्ध विनम्र चेतावनियां दी थीं। अमेरिका और ब्रिटेन ने साफ कहा था कि जनवरी में वहां पर हुए चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं थे। बांग्लादेश को अमेरिका द्वारा प्रायोजित लोकतंत्र शिखर सम्मेलन से भी बाहर रखा गया था। चिंता का सबब जमात-ए-इस्लामी भी है। इस संगठन पर लगा प्रतिबंध अब हटने के आसार हैं और यह पाकिस्तान की आईएसआई की मदद से भारत के खिलाफ अपने जहरीले अभियान को अंजाम देने के लिए स्वतंत्र हो जाएगा। वहां के मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) का कहना है कि उसे भारत से कोई समस्या नहीं है। मीडिया से बात करते हुए संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि भारत बांग्लादेश के लिए महत्वपूर्ण है। वरिष्ठ बीएनपी नेता खांडेकर मुशर्रफ हुसैन ने पीटीआई को बताया कि बांग्लादेश को दोनों देशों के बीच संबंधों में एक नया अध्याय शुरू होने की उम्मीद है। पार्टी के उपाध्यक्ष अब्दुल अवल मिंटू ने कहा कि बांग्लादेश भारत को एक दोस्त के रूप में देखता है।

श्रृद्धालुओं के दल ने किए मुनि संघो एवं आर्यिकाओं के दर्शन

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे से विभिन्न धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों,मुनि संघो एवं आर्यिकाओं के दर्शनार्थ डीलक्स ट्रैवलर गाड़ियों द्वारा 35 श्रृद्धालुओं का एक दल पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर फागी से जयकारों के साथ रवाना हुआ। कार्यक्रम समाज के सोहनलाल झंडा, चम्पालाल जैन एवं महावीर अजमेरा ने संयुक्त रूप से जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा को अवगत कराया कि उक्त यात्रा दल फागी से रवाना होकर मदनगंज किशनगढ़ में विराजमान आचार्य सुनिल सागर जी महाराज स संघ के दर्शन करने के बाद भीलवाड़ा में विराजमान आचार्य श्री सुन्दर सागर जी महाराज स संघ के दर्शन कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया तथा वहां से रवाना होकर प्रतापगढ़ में आचार्य चंद्र सागर जी महाराज स संघ के दर्शन कर श्री जी का अभिषेक शांतिधारा तथा अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई, समाज के सोहनलाल झंडा ने अवगत कराया कि उक्त यात्रा दल धरियावद में आचार्य पुण्य सागर जी महाराज स संघ के दर्शन कर पारसोला जायेगा जहां विराजमान वात्सल्य वारिधी आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज स संघ के दर्शन कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त करेगा।बाद में उक्त यात्रा दल सलूम्बर में विराजमान आचार्य अपूर्व सागर जी महाराज, अर्पित सागर जी महाराज स संघ के दर्शन कर धर्म लाभ प्राप्त करेगा बाद में यह दल केसरिया तीर्थ क्षेत्र पर विराजमान आचार्य पुलक सागर जी महाराज स संघ के दर्शन कर उदयपुर की पावन धरा पर विभिन्न मुनि संघो के दर्शन करता हुआ सांवरिया सेठ के दर्शन करता हुआ 26 अगस्त को वापिस फागी में पहुंचेगा,उक्त कार्यक्रम में समाजसेवी सोहनलाल झंडा, चंपालाल जैन, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, चंद्रपुरी मंदिर समिति के अध्यक्ष सत्येंद्र झंडा, महेंद्र बावड़ी, पवन गंगवाल, कमलेश झंडा, टीकम गिंदोडी, तथा गीता नला, मुन्ना अजमेरा, मैंना झंडा, उर्मिला नला, मंजू बावड़ी, बरखा गंगवाल, सोनाली झंडा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं एवं समाज के पदाधिकारी गण साथ साथ थे।

जियो ने लॉन्च किए आकर्षक अंतर्राष्ट्रीय रोमिंग पैक्स

32 अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों में पे-गो दरें 50 फीसदी तक घटाई

मुंबई. शाबाश इंडिया। जियो ने अपने ग्राहकों के लिए यूएई, थाईलैंड, कनाडा, सऊदी अरब, यूरोप और कैरिबियन द्वीपसमूह जैसे लोकप्रिय देशों के लिए बेहतरीन अंतर्राष्ट्रीय रोमिंग प्लान लॉन्च किए हैं। यह नए प्लान यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए हैं, जिनमें अधिक डेटा, कम दरें और अतिरिक्त सुविधाएं भी शामिल हैं। यूएई, कनाडा, थाईलैंड, और सऊदी अरब के लिए जियो के पैक्स में असीमित इनकमिंग एसएमएस, स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय कॉल, और हाई-स्पीड डेटा की सुविधा दी जा रही है। डेटा पैक खत्म होने के बाद भी उपयोगकर्ता 64 केबीपीएस की गति पर इंटरनेट का इस्तेमाल कर सकेंगे। साथ ही, वाई-फाई कॉलिंग के जरिए किसी भी देश से इनकमिंग कॉल्स का लाभ उठाया जा सकता है। कैरिबियन के 24 देशों के लिए जियो ने विशेष प्लान्स पेश किए हैं, जिनमें 3851 रुपए के प्लान के साथ इनफ्लाइट बेनिफिट्स भी शामिल हैं। वहीं, यूरोप के 32 देशों के लिए प्लान भी इसी तरह के फायदों के साथ आते हैं। जियो ने 32 अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों की दरों में 50 फीसदी तक की कटौती की है, जिससे विदेश यात्रा के दौरान कनेक्टेड रहना और भी किफायती हो गया है।

संस्कार सीनियर सेकेंडरी स्कूल अंडर 19 हैंडबॉल में रहा प्रथम

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। ऐलनाबाद में चल रही जॉन स्टार की अंडर -19 हैंडबॉल मैच में सीनियर सेकेंडरी स्कूल की अंडर -19 हैंडबाल टीम विजेता रही। विजेता टीम में खिलाड़ी जतिन,वीरेंद्र कंबोज, प्रिंस कंबोज, नवजोत सिंह, अभय सिंह, संदीप, परनीत, मोहित, विक्रम जीत,नरवीर कुमार इत्यादि शामिल रहे। स्कूल के प्रधानाचार्य ने स्कूल पहुंचने पर हैंडबॉल खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि टीम हैंडबॉल ने बढ़िया प्रदर्शन किया और जीत दर्ज की है इन सभी खिलाड़ियों को स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा सम्मानित किया जाएगा इस मौकेपर संस्कार सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सभी अध्यापक व अध्यापिकाएं उपस्थित थे।

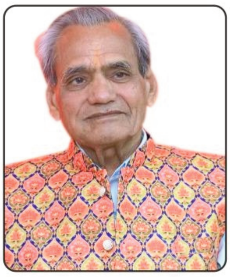

तीये की बैठक

हमारे पूज्यनीय

श्री टीकम चन्द जी सेठी (जैन)

चित्तौड़ा वालों का स्वर्गवास हो गया है । जिनकी तीये की बैठक 25/8/24 को भट्टारक जी की नसिया जैन भवन में प्रातः 10.15 पर रखी गई है।

शोकाकुल

कांता देवी (धर्मपत्नी) प्रकाश - कनक लता (भाई- बहु) मुन्नादेवी (भतीजा बहु), भागचंद, अशोक, मुकेश, सुनील(भतीजे), संदीप, मनीष, रवि, सौरभ, अक्षित (पौत्र) कपूरी-पूरणमल, चांद - महावीर, मुन्नादेवी पाटनी (बहन-बहनोई), पदम - ललिता, विजय-माया (भांजा- बहु), पदमा ठोलिया, नीलू-हंस, राकेश, सुमन-योगेश, शीला-प्रेम, सीमा- सुनील (बेटी-जवाई)

ससुराल पक्ष : सुभाष, पवन, अनिल एवं समस्त गोदिका परिवार ।

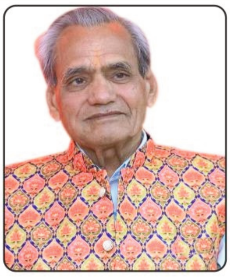

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित कर रहे हैं कि हमारे

पूज्यनीय जीजाजी श्री टीकम चंद जी सेठी

(बहिन कान्ता देवी के पति) का आकस्मिक निधन हो गया है। तीये की बैठक दिनांक 25.8.24 को प्रातः 10.15 बजे जैन भवन, भट्टारक जी की नसियां पर होगी।

ससुराल पक्ष प्रातः 10.00 नसियां के गेट पर एकत्रित होकर बैठक में शामिल होगे।

शोकाकुल

सुभाष, पवन - सरोज, अनिल-आशा,(साले सलहज) , अभिषेक- क्षिप्रा, प्रतीक- रुचि, अनुज- भुमिका (भतीजे-भतीजे बहु), शान्ता शाह, मनोज गोधा, उमेश पाटोदी,(बहन- बहनोई) रुचि -विक्रम काला, नीतु -अंकित गंगवाल, निधी- रोहित शाह(भतीजी- भतीजी जवाई) एवं समस्त गोदीका परिवार।

कषाय मुक्त हो जीवन,हमारे भाव ही तय करते मोक्ष का मार्ग: आचार्य सुंदरसागर महाराज

मिथ्यात्व का एक कण भी मोक्ष को बिगाड़ देता, शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में वर्षायोग प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। हमारे शरीर काय का रंग कैसा भी हो परिणाम अच्छे होने चाहिए। कषायों का जब तक स्वाद रहेगा परिणाम काला ही रहेगा। कषाय सबको अच्छी लगती है पर उसके परिणाम प्रतिकूल होते है। क्रोध करने पर परिणाम काले हो जाते है ओर मोक्ष भी नहीं मिल सकता। हमे अच्छे परिणाम चाहिए तो कषाय मुक्त होना पड़ेगा ओर तन ही नहीं मन भी निर्मल बनाना पडेगा। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक (वर्षायोग) वर्षायोग प्रवचन के तहत शुक्रवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सफेद वस्तु पर छोटी सी कालिमा लगने पर दाग पड़ जाता है। परिणामों से ही भावों का रंग भी बदलता है। सम्यकत्व की प्राप्ति होते ही मोक्ष मिल जाएगा गुणस्थान को कोई नहीं बदल पाएगा। हमारे भाव ही हमारे मोक्ष का मार्ग तय करते है। जिस तरह एक छोटी सी चिंगारी भीषण आग लगा देती है उसी तरह मिथ्यात्व का एक कण भी मोक्ष को बिगाड़ देता है। आचार्यश्री ने कहा कि पुरूष वेद स्त्रियों के प्रति लालसा पैदा करता है ओर वैसे ही भाव पैदा होते है। स्त्री वेद पुरूषों के प्रति लगाव पैदा करता है। नपुंसक वेद स्त्री एवं पुरूष दोनों के प्रति लालसा पैदा करता है। इन कषायों को छोड़ने पर गुणस्थान उच्च हो जाएगा। चौथा गुणस्थान सम्यकत्व का प्राप्त होने पर मुमुक्षु 14वें गुणस्थान का अधिकारी हो जाता है। इससे जिन बनने का अधिकार मिल जाएगा। यहीं मोक्ष एवं सम्यक मार्ग है। इससे पूर्व प्रवचन में आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी ने कहा कि सब प्राणी सुख चाहते तो है लेकिन उसे पाने के लिए प्रयास नहीं करते है। सुबह उठते ही पूजा करने के भाव जागृत होने चाहिए। शुरूआत शुभ कार्य से होने पर पर पूरा दिन अच्छा निकलता है। आहार देने में हमेशा शुद्धता का ध्यान रखना चाहिए। सकारात्मक सोच से ही व्यक्ति का कल्याण होता है। संतों का चातुर्मास मिला है तो उसका पूरा लाभ लेना चाहिए। जिनवाणी सुनकर मोह का त्याग करना चाहिए। पुरूषार्थ करते हुए एक-एक नियम रोज लेकर बूंद-बूंद कर अपने पुण्य का घड़ा भरते रहो। सांयकालीन सत्र में आचार्यश्री ने श्रावकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी ने ज्ञानावरणीय कर्म के बारे में बताया। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि सभा के शुरू में श्रावकों द्वारा मंगलाचरण,दीप प्रज्वलन,पूज्य आचार्य गुरूवर का पाद प्रक्षालन कर उन्हें शास्त्र भेंट व अर्ध समपर्ण किया गया। संचालन पदमचंद काला ने किया। महावीर सेवा समिति द्वारा बाहर से पधारे अतिथियों का स्वागत किया गया।

कमला नगर जैन मंदिर में हुआ 12 घंटे का भक्तामर का पाठ

मिला मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री ससंघ का सानिध्य

आगरा. शाबाश इंडिया। मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसन्त सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य एवं अर्पितमय पावन वषार्योग समिति कमला नगर के तत्वावधान में भक्तामर महिमा की क्लासेस के समापन पर 23 अगस्त को 12 घंटे का भक्तामर का पाठ का आयोजन कमला नगर स्थित डी ब्लॉक के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के आचार्य श्री विद्यासागर संत निलय में किया गयो भक्तों ने पाठ का शुभारंभ उपाध्यायश्री के मुखारविंद से उच्चारित मंत्रोच्चारण के साथ प्रभु का अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ कियो इसके बाद श्रावक- श्राविकाओं ने प्रभु आदिनाथ का गुणगान करते हुए भक्तिमय स्वरो के साथ सामूहिक रूप से भक्तामर के 48 महाकाव्यों के दोहे पढ़कर 12 घण्टे का लगातार अखंड एक स्वर और एक धुन मे श्री भक्तामर पाठ का समापन कियो भक्तामर के समापन के उपरांत उपस्थित सभी भक्तों ने 48 दीपों से प्रभु की मंगल आरती उतारी। इस मौके पर जगदीश प्रसाद जैन,प्रदीप जैन पीएनसी, रोहित जैन अहिंसा,यशपाल जैन,मनोज जैन बाकलीवाल, अनिल रईस,नरेश जैन लुहारिया, अनिल जैन,शैलेंद्र जैन, अंकुश जैन,अनुज जैन,शुभम जैन समस्त कमलानगर जैन समाज के लोग बडी.संख्या में मौजूद रहे। **रिपोर्ट : शुभम-जैन**

दिनांक 27 अगस्त, 2024

भक्ति संगीत संध्या

स्वर्गीय श्रीमती सुनीता जैन

धर्मपत्नी स्व. निर्मल जैन

की द्वितीय पुण्यतिथि पर

श्री दिगंबर जैन मंदिर लश्कर जी,

बोरड़ी का रास्ता में

मंगलवार, दिनांक 27 अगस्त को शाम 7:30 बजे से

आरती, भक्तामर का पाठ

और नेहा चांदवाड के भजन होंगे।

आप सभी स्नेही जन से निवेदन है कि

इस द्वितीय पुण्यतिथि पर

आयोजित कार्यक्रम में सादर आमंत्रित है।

निवेदकः इन्द्रलाल जैन शास्त्री परिवार

दीक्षार्थियों का बहुमान कर निकाला वरघोड़ा

निम्बाहेड़ा. शाबाश इंडिया। शुक्रवार को दिगम्बर जैन धर्मावलम्बीयो ने वैराग्य भावना से निहित धर्म मार्ग को अंगिगार कर धर्म दीक्षा कि ओर अग्रसर हो दीक्षार्थियों की अनुमोदना करते हुए वरघोड़ा निकाल बहुमान किया। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार शुक्रवार को सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे आदर्श कॉलोनी स्थित श्री शान्तिनाथ जिनालय मे आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम मे आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के सानिध्य मे दीक्षा लेने जा रहे दीक्षार्थी भीलवाड़ा निवासी भेरूलाल कासलीवाल एवं मोजमाबाद निवासी पन्ना लाल धमाना ने भगवन प्रतिमा का जिनाभिषेक कर शांतिधारा ओर पूजन कि ततपश्चात समाज के अध्यक्ष सुशील काला ओर महामंत्री मनोज पटवारी जीवनधर पाटनी कि अगुवाई मे समाज के वरिष्ठ जनो ने दोनों दीक्षार्थियों के गृहस्थ जीवन त्याग कर धर्म मार्ग पर चलने कि अनुमोदना कर बहुमान किया। बाद मे दोनों दीक्षार्थियों को बगघी पर बिठा कर वरघोड़ा निकाला गया जो आदर्श कॉलोनी सहित नगर के प्रमुख मार्गो से गुजरता हुआ समाज के अशोक पाटनी के निवास पंहुचा जहाँ पर दीक्षार्थियों की गोद भराई चौबीसी ओर बहुमान का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। वरघोड़ा जुलुस का विविध मार्गो पर धर्मावलम्बीयो ने स्वागत सत्कार कर बगघी पर सवार धर्म मार्ग पर प्रशस्त हो रहे दीक्षार्थियों का बहुमान कर आशीर्वाद लिया।

रक्तदान शिविर में 55 यूनिट रक्त एकत्र

उदयपुर. शाबाश इंडिया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी डिस्ट्रिक्ट ब्रांच उदयपुर प्रेसिडेंट डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर अरविंद पोसवाल एवं चेयरमैन डॉ.गजेंद्र भंसाली की अगुवाई में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, देबारी पर संस्था सदस्य एवं सी. एम.ओ.डॉ. सुमीत सिरोया के सहयोग से किया गया। जिसमे उनके साथ कुल 55 यूनिट का रक्त दाताओं द्वारा रक्त दान किया गया। मानद सचिव सुनील गांग द्वारा 35 वी बार रक्तदान कर शिविर को प्रोत्साहन दिया। महाराणा भूपाल चिकित्सालय से डॉ. सुरेश लखारा, डॉ कैलाश बंसल, डॉ. संदीप मीणा, काउंसलर प्रमोद सिंह, ट्रेनी अर्पिता पाटीदार, प्रतीक्षा भगोरा उर्मिला झंवर, सहायक नरेंद्र पटेल एवं निर्भय सिंह के साथ उनकी पूरी टीम का सहयोग रहा। इस मुहिम में प्लांट के इकाई प्रधान अमित वाली एच . आर.प्रधान अनिल गदिया, फाइनेंस हेड नरेश अग्रवाल, सी.एस.आर. हेड अरुणा चीता, मेडिकल हेड डॉ सुमित सिरोया, कार्यवाहक अध्यक्ष मांगीलाल अहीर महामंत्री प्रकाश श्रीमाल एवं चिकित्सा कर्मचारियों एवं स्टाफ एवं कई प्रतिभाशाली स्टाफ एवं युवा भी प्रेरणा स्त्रोत बने संस्था के सेवाभावी अध्यक्ष डॉ.गजेन्द्र भंसाली, मानद सचिव सुनील गांग, कोषाध्यक्ष राकेश बापना, आजीवन सदस्यगण डॉ.सुमित सिरोया, सुश्री प्रेमलता मेहता, कृष्णा भंडारी, डॉक्टर करुणा भंडारी, डॉ.प्रकाश भंडारी, सुभाष चंद्र मेहता, शांतिलाल नागौरी, राजेंद्र सिंह भंडारी संस्था स्टाफ श्री आजाद बोर्दिया, मुरली सोनी एवं केंद्रीय अस्पताल के सेवाभावी डॉक्टर्स एवं सहायक की उत्कृष्ट सेवाएं रही। रक्तदाताओं को संस्था की ओर से स्मृति चिन्ह एवं रक्तदान प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मानद सचिव सुनील गांग ने सभी का धन्यवाद एवं अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया एवं बताया कि रक्तविरो के सम्मान एवं उनके द्वारा मानव सेवा में अमूल्य योगदान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

सुनील गांग (मानद सचिव)
भारतीय रैड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा उदयपुर

एसपीयू रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार रावत को सोशल चेंजमेकर्स अवार्ड 2024 प्राप्त हुआ

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार रावत, रजिस्ट्रार, सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, गंगटोक को सोशल चेंजमेकर्स अवार्ड 2024 प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार रावत को सीएसआर और ईएसजी में उनके उत्कृष्ट योगदान और नेतृत्व की मान्यता के लिए, और सामाजिक परिवर्तन लाने के साथ-साथ महत्वपूर्ण रूप से सशक्त समुदायों के लिए सीएसआर में उल्लेखनीय प्रयासों और अभिनव दृष्टिकोण के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए दिया गया है। इंडिया सीएसआर ने प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार रावत, रजिस्ट्रार, सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, गंगटोक, सिक्किम के समर्पण और कड़ी मेहनत को स्वीकार किया, जो इस क्षेत्र में दूसरों के लिए प्रेरणा का काम करता है। यह पुरस्कार 22 अगस्त 2024 को नई दिल्ली में 14वें भारत सीएसआर लीडरशिप समिट 2024 के दौरान इंडिया सीएसआर नेटवर्क द्वारा सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, गंगटोक, सिक्किम के रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार रावत को प्रदान किया गया। इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का विषय, ₹सिनर्जाइज़िंग सीएसआरः सशक्त समुदाय - नवाचार, समावेशिता और प्रभाव,₹

सीएसआर क्षेत्र के भीतर सार्थक संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह मान्यता एक प्रतिष्ठित जूरी से मिलती है जिसमें उद्योग जगत के नेता और विशेषज्ञ शामिल हैं, जिनमें शामिल हैंः अभिषेक रंजन, वरिष्ठ निदेशक और प्रमुख ईएसजी और प्रशासन, ब्रिलियो, अध्यक्ष एसोचैम दक्षिणी परिषद - स्थिरता सपना ए नरूला, निदेशक एनआईएफएम, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, और संस्थापक डीन, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, नालंदा विश्वविद्यालय, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के, पवन कौशिक, लेखक और कहानीकार, सीएसआर और संचार में अनुभवी, सह-संस्थापकः गुरुक्षेत्र कंसल्टेंसी, रुसेन कुमार, संस्थापक और प्रबंध संपादक, भारत, सीएसआर।

जीवन के पड़ाव में नि :स्वार्थी कम स्वार्थी ज्यादा : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी में विराजमान गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधन देते हुए कहा कि - जीवन का सफर बहुत लंबा होता है। जीवन के इस सफर में हर मोड़ पर कुछ ऐसे लोग मिल जाते हैं, जो निस्वार्थ प्रेम करते हैं। निस्वार्थ सिर्फ प्रेम ही नहीं, बल्कि हर कदम पर, हर घड़ी आपके साथ रहते हैं। जीवन के इस पड़ाव में निस्वार्थ कम, लेकिन स्वार्थी लोग कुछ अधिक ही मिलते हैं। स्वार्थी लोगों की जब जरूरतें पूरी हो जाती हैं, वो छोड़कर चले जाते हैं। कुछ स्वार्थी लोग ऐसे भी होते हैं, जो चंद मुश्किल में भी हाथ छोड़ देते हैं। इसलिए धर्म ही एक ऐसा साथी है जो हर समय आपका साथ देगा। पूज्य गुरु माँ के मुखारविंद से प्रतिदिन अभिषेक शांतिधारा करने के लिए दूर दूर से यात्रीगण पहुंच रहे हैं। कोटा, जयपुर, टोंक, निवाई , चाकसू आदि स्थानों के भक्त प्रभु श्री शान्तिनाथ के दर्शनार्थ पहुंच रहे हैं। माताजी ससंघ की निर्विघ्न आहारचर्या करवाने का सौभाग्य पारस चैनपुरा वाले निवाई, रेखा जैन सरवाड़ ने व्रती आश्रम के व्रतियों ने प्राप्त किया है।

लायन्स क्लब जयपुर द्वारा रक्तदान शिविर में 476 युनिट रक्त एकत्रित

जयपुर. शाबाश इंडिया। लॉयंस क्लब जयपुर मेट्रो एवं लॉयंस क्लब शास्त्री नगर तथा नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलाइज युनियन, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में रेलवे सामुदायिक भवन, गणपति नगर कोलोनी, जयपुर में द्वितीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलाइज युनियन, जयपुर की ओर से विकास पुरवार, मंडल रेल प्रबंधक, श्रीमती शचि पुरवार, अध्यक्ष, NWRWWO -JP DIV, मुकेश माथुर, महामंत्री, रेलवे एम्पलाइज युनियन एवं लॉयंस क्लब की तरफ से अध्यक्ष लॉयन अनिल जैन, आइ पी एस द्वारा शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में 476 युनिट रक्त एकत्रित किया गया ।क्लब की ओर से लॉयन नेमि पाटनी द्वारा संयोजकता का कार्य अच्छी तरह से निभाया गया। रक्त एकत्रित करने स्वास्थ्य कल्याण, गुरु कृपा, जनाना अस्पताल, शेखावाटी के डॉक्टर्स एवं टेक्नीशियंस का पूरा सहयोग रहा। इस शिविर में क्लब की ओर से पी एम सी सी लॉयन गोविंद शर्मा, सचिव लॉयन विमल गोलछा, कोषाध्यक्ष लॉयन अनिल जैन, लॉयन सुरेश शर्मा , लॉयन जी एल शर्मा लॉयन अनिल माथुर, लॉयन डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, लॉयन निर्मल कुमार सांघी एवं रेलवे की तरफ से कई अधिकारी तथा स्टाफ उपस्थित थे।

पार्श्व जैन मिलन ने भगवान महावीर के सिद्धांत पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

अशोकनगर। पार्श्व जैन मिलन अशोकनगर द्वारा सिटी पब्लिक स्कूल मगरदा शंकरपुर अशोकनगर में आज भगवान महावीर स्वामी के संदेशो पर आधारित भाषण प्रतियोगिता आयोजित की। भगवान महावीर स्वामी के 2550वे निर्वाण महोत्सव के वर्ष में भारतीय जैन मिलन के निर्देश पर सम्पूर्ण देश की शाखाएं इस कार्यक्रम को कर रही है ।राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री नरेश जैन ने बताया कि सिटी पब्लिक स्कूल अशोकनगर के सहयोग से पार्श्व जैन मिलन अशोकनगर द्वारा पूर्व में भी चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था यह कार्यक्रम बहुत ही रोचक ओर ज्ञान वर्धक रहा ।आज के कार्यक्रम में स्कूल स्टाफ महेन्द्र जैन आयुस जैन कु भुमिका जैन कु जाग्रति जैन को जज के लिए रखा गया था । शाखा के अध्यक्ष वीर धीरेन्द्र जैन तथा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीर सुनील जैन धनू के साथ वीर दीपक मलावनी वीर विनोद कुमार,वीर गोरव जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कक्षा 8 कक्षा 9कक्षा 10के प्रतिभाशाली 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया स्कूल स्टाफ का शाखा अध्यक्ष द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

मित्र बनकर जियो शत्रु बनकर नही : आर्यिका श्री पवित्र मति माताजी

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा ।परम पूज्य पवित्र मति माताजी के सानिध्य में आज वागड़ के बड़े बाबा आदिनाथ भगवान नेमिनाथ भगवान की एवं 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिरजी में शांति धारा अभिषेक के बाद चातुर्मास पंडाल स्थल पर माताजी का मंगल प्रवचन हुआ मंगल प्रवचन में माता जी ने कहा कि हमें मित्र बनकर जीना है शत्रु बनकर नहीं मित्र बनकर जिओगे तो जीवन सरल बनेगा और शत्रु बनकर जिएंगे तो जीवन में कठिनाई ही कठिनाई आएगी उन्होंने भगवान पारसनाथ का उदाहरण देते हुए बताया कि कमठ का जीव पारसनाथ भगवान से 10 भव तक उपसर्ग करता रहा परंतु भगवान पारसनाथ ने उस उपसर्ग को सहन किया उसे शत्रु नहीं माना यह उपसर्ग कमठ का एक तरफा था परंतु उसने शत्रुता मान ली अतः हमें प्राणी मात्र से मित्र वत व्यवहार करना है शत्रु बनकर नहीं एवं माताजी ने कहा कि हमें हमारे घरों द्वार पर शुभ मंगल हेतु 24 तीर्थंकरों के बंधन बार बांधने चाहिए जिससे अपने घरों में नेगेटिव ऊर्जा नहीं आएगी माताजी ने बताया कि प्रवाघिराज पयूशन पर्व में शिविर लगेगा जिसमें 8 वर्ष से लगाकर 100 वर्ष के धर्म प्रेमी बंधु शिविर में भाग ले सकते हैं एवं उपवास व्रत नियम भी करेंगे वं प्रतिदिन धार्मिक क्रियाओ के साथ-साथ 10 दिनों में अलग-अलग विधान होंगे जिसमें आदिनाथ विधान भक्तांबर विधान पारसनाथ विधान शांतिनाथ विधान महावीर स्वामी विधान 10 लक्षण विधान, पंचमेरू विधान 16 कारण विधान आदि विधान अलग-अलग दिनों में होंगे सभी को इन 10 दिनों में धर्म लाभ लेना है एवं अपना द्रव्य दान भी कर सकते हैं अभी वर्तमान में प्रतिदिन प्रातः 8:00 बजे से 9:00 बजे तक माताजी द्वारा आलोचना पाठ कल्याण स्त्रोत सुप्रभात आदि का अध्ययन करवाया जा रहा है प्रातः युवा वर्ग एवं महिला वर्ग अध्ययन का लाभ बड़े मनोयोग से ले रहे हैं ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में "मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर" का आयोजन किया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया।इसमें शिविर प्रभारी डॉक्टर महेन्द्र खन्ना द्वारा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इसमें वरिष्ठ जन रोग चिकित्सक, नेत्र रोग चिकित्सक, नाक कान गला चिकित्सक मानसिक रोग चिकित्सक, अस्थि रोग चिकित्सक, पी.एम.आर. चिकित्सक एवं अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों ने चिकित्सा सेवाएं दी। वरिष्ठ जनो की चिकित्सा हेतु अलग से रजिस्ट्रेशन काउंटर लगाया गया एवं उनकी जाँच करने के लिए अलग से सुविधाएँ दी गई। चिकित्सा उपरान्त दवाइयां भी उनको अलग काउंटर द्वारा वितरित की गई ।वहीं रजिस्ट्रेशन काउंटर में 65 जनों का रजिस्ट्रेशन किया गया जिसमें से 31 जनों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा देखा गया ।शिविर में 30 वरिष्ठ जनों की शुगर की जाँच की गई ।जिसमें से 8 के शुगर की बीमारी पाई गई । 30 जनों के इढ की बीमारी का डायग्नोसिस हुआ। 25 जनों को रक्त संबंधी जाँच कराई गई । सभी मरीजों के नेत्र जाँच कराई गई ।जिसमें से 5 व्यक्तियों के मोतियाबिंद की बीमारी पाई गई । 5 व्यक्तियों के ओरल कैंसर की जाँच भी की गई एवं सर्जरी विभाग द्वारा जांचों के पश्चात एक वृद्धजन की सर्जरी भी की गई।इस प्रकार राज्य सरकार की पहल से ऐसे शिविरों का आयोजन करने पर सभी वृद्धजनों द्वारा काफी सराहा गया। उनको लाइनों में नहीं लगाना पड़ा और 1 ही छत के नीचे उनकी सभी प्रकार की बीमारियों की जाँच एवं उपचार दिया गया है । सभी वृद्धजनों ने राज्य सरकार चिकित्सालय प्रशासन को धन्यवाद दिया। कैंप के प्रारंभ में प्राचार्य डॉक्टर अनिल सामरिया , अधीक्षक डॉक्टर अरविंद खरे एवं उप अधीक्षक डॉक्टर अमित यादव ने समस्त व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं किसी भी प्रकार की असुविधा न होने के लिए एवम्‌ वरिष्ठ जनों का सभी प्रकार से ध्यान रखने के लिए कहा गया। शिविर को सफल बनाने में पूरा सहयोग करने के लिए कहा गया। इसके पश्चात प्राचार्या डॉक्टर अनिल सामरिया एवं अधीक्षक डॉक्टर अरविंद खरें ने डॉ महेन्द्र खन्ना , डॉ शिव कुमार बुनकर , डॉ मयंक श्रीवास्तव ,डॉ अंकुर , डॉक्टर सुषमा , डॉ मनीष , डॉ प्रेम प्रकाश को विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं के लिए धन्यवाद भी दिया।

चेतन तीर्थ यात्रा का 25 अगस्त को आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन युवा परिषद परिवार की ओर से दिनांक 25 अगस्त रविवार को जयपुर शहर मे हो रहे जैन चतुमासी के दर्शनों के लिए एक दिवसीय बस यात्रा का आयोजन किया जाएगा।प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र बोहरा लाखना ने बताया कि यह यात्रा श्री दिगंबर जैन पारसनाथ मंदिर थडी मार्केट मानसरोवर में विराजमान श्री 108 उपाध्याय वृषभानंद जी मुनिराज ससंघ के आशीर्वचन से शुरू होगी । तत्पश्चात यात्रा मीरा मार्ग जैन मंदिर, वरुण पथ जैन मंदिर, बरकत नगर जैन मंदिर होती हुई बिलवा जैन मंदिर पहुंचेगी जहां पर चेतन तीर्थ यात्रा के साथ सभी भक्तों को भव्य जेनेश्वरी दीक्षा देखने का अवसर प्राप्त होगा।प्रदेश महामंत्री रवि रावंका ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए मुख्य संयोजक विनोद जैन लदाना, अनंत जैन एवं आलोक पाटनी को बनाया गया। प्रदेश कोषाध्यक्ष राकेश काला ने अवगत कराया की जयपुर शहर के प्रमुख 20 मंदिरों को इस यात्रा मे जोड़ा गया है।प्रदेश उपाध्यक्ष नेमी चंद छाबड़ा एवं विजय जैन खट्वाडा ने बताया की प्रत्येक मंदिर से दो-दो सदस्यों को इस कार्यक्रम के लिए संयोजक बनाया गया। सलाहकार प्रणव लुहाडिया ने बताया की यात्रा की शुरूआत वीर सेवक मंडल के अध्यक्ष समाज श्रेष्ठि महेश काला प्रातः 7 बजे जैन पताका लहराकर रवाना करेंगे।

शेखावाटी विकास परिषद में भागवत कथा

ईश्वर पर विश्वास ही सब कुछ : संत हरिशरण दास

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रीमद् भागवत कथा समिति के बैनर तले विद्याधर नगर,सेक्टर-1 स्थित शेखावाटी विकास परिषद मे चल रही श्री मद भागवत कथा में व्यासपीठ से कथा सुनाते हुए संत हरिशरण दास जी महाराज ने कहा कि ईश्वर पर विश्वास ही सब कुछ है,जो आपको मिलना है,वह अपने आप की मिल जाएगा,सिर्फ तुम्हें ईमानदारी से कार्य करने की आवश्यकता है।जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ईश्वर पर विश्वास करें कि आपकी कड़ी मेहनत खराब नहीं होगी।ईश्वर की कृपा से आप हर वह चीज प्राप्त करेंगे, जिसकी इच्छा आप रखते हैं और जो आप पाना चाहते हों। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण हमें समझाते हैं कि हमारा मोल किसी बाहरी वस्तु, कारण या स्थिति से नहीं आता है।हम जैसे हैं, वैसे ही भगवान के लिए अमूल्य हैं।इसलिए हमें भी अपना मोल किसी बाहरी वस्तु, स्थिति या इंसान के आधार पर नहीं करना चाहिए। सोचिए, कितनी बार हम अपना पूरा मन लगा लेते हैं किसी नौकरी पर प्रमोशन पर या किसी रिश्ते पर।हमारी इच्छा इतनी प्रबल हो जाती है कि हमें लगने लगता है, जब हमें वह चीज मिल जाएगी, तभी हम सफल होंगे।इस प्रकार हममें और हमारी इच्छा या हमारे लक्ष्य में कोई अंतर नहीं रहता है। उन्होंने यह भी बताया कि भगवान श्रीकृष्ण हमें समझाते हैं कि यह गलत है, क्योंकि मनुष्य के मन में अनेक इच्छाओं और लक्ष्यों का आना अनिवार्य है।लेकिन ऐसा कोई मनुष्य नहीं जिसकी सारी इच्छाएं पूरी हों। याद करिए, भगवान श्रीकृष्ण भी मनुष्य जीवन में अपनी सारी इच्छाओं को पूरा नहीं कर पाए थे।उन्हें भी गोकुल और यशोदा मैया को छोड़ कर मथुरा जाना पड़ा था। इस सहज कार्य में अगर वह अपनी इच्छा और अपने अस्तित्व में अंतर नहीं करते, तो वह जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय नहीं ले पाते।यही बात हम मनुष्यों पर भी उतनी ही लागू होती है।अगर इच्छा पूरी नहीं हुई या लक्ष्य हाथ न लगे, तो इसका मतलब यह नहीं कि हम असफल हैं या हममें सामर्थ्य नहीं।ईश्वर पर अटूट श्रद्धा एवं विश्वास रखने वाला मनुष्य प्रत्येक परिस्थिति व खतरे में निडर ही दृष्टिगोचर होता है।वह हर एक स्थिति में दृढ़तापूर्वक पर्वत के समान अडिग रहता है।इस मौके पर महाराजश्री ने भक्त प्रहलाद प्रसंग पर भी चर्चा की। श्रीमद् भागवत कथा समिति के रामानंद मोदी ने बताया कि कथा 30 अगस्त तक रोजाना दोपहर 2 बजे से होगी,साथ ही सुबह 6.15 बजे से कथा स्थल से प्रभातफेरी निकाली जाएगी।

आत्मा ही परमात्मा होती है: मुनि प्रणम्य सागर

जयपुर में पहली बार मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन

पार्श्वनाथ कथा में उमड़े श्रद्धालु, मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर शनिवार को प्रातः 8.15 बजे होगी धर्म सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण के चौथे अधिकार का वाचन किया गया। जिसमें मुनि श्री ने बताया कि जो वीतरागी भगवान है जो एक हाथ पर एक हाथ रखे अपनी दृष्टि रखे हुए हैं, जिन्हें इस संसार से ना कुछ लेना है और ना ही कुछ देना है। उन प्रतिमाओं में अरिहंत प्रभू का स्मरण करने लगता तो ऐसे है कि वो कुछ नहीं देते पर वो हमें बहुत कुछ दे जाते हैं। भगवान वो है जिसमें न राग है न द्वेष है। मुनि श्री ने कहा कि आज हमारे मन में यह गलत धारणा अन्दर तक बैठी है कि जो करता है वह भगवान ही करता है, भगवान तो कृत कृत है, उन्हे करने योग्य कुछ बचा ही नहीं है। ऐसी स्थिति में पहुची वो आत्मा ही परमात्मा है। मुनि श्री ने कहा कि हमें हमारे घरों में ॐ, अर्हम व वीतरागी भगवान की फोटो या जैन प्रतीक चिन्ह लगाने चाहिए जिससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात अर्हम चातुर्मास समिति 2024 के शिरोमणि संरक्षक सुरेश पाटनी की धर्म पत्नी श्राविका श्रेष्ठी शांता पाटनी आर के मार्बल्स किशनगढ़ परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा एवं उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी ने बताया कि इससे पूर्व पाटनी परिवार ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा एवं उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में शनिवार , 24 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा।इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।